शुभारंभ ▶ मियावाकी पद्धति से शहर में रोपे जाएंगे ग्यारह लाख पौधे, मुख्यमंत्री ने डुमना नेचर से किया कैच द रेन अभियान का शुभारंभ

वर्षा जल की हर एक बूंद का संरक्षण समय की आवश्यकता : मुख्यमंत्री

नवभारत,जबलपुर। प्रकृति और जल का संरक्षण हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। जल ही जीवन का आधार है इसलिए वर्षा जल की प्रत्येक बूंद का संरक्षण समय की आवश्यकता है। मियावाकी पद्धति पर्यावरण संरक्षण की एक प्रभावी एवं वैज्ञानिक तकनीक है, इसके माध्यम से कम समय में घने और आत्मनिर्भर वन विकसित किए जा सकते हैं। ये बातें मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने डुमना नेचर पार्क में कैच द रेन अभियान के तहत वर्षा जल संचयन प्रणाली और शहर की वायुगुणवत्ता को सुधारने मियावाकी पद्धति से 11 लाख पौधे लगाने के कार्य का शुभारंभ के अवसर पर कहीं। इस अवसर पर लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह भी मुख्यमंत्री के साथ थे।

इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने ये भी कहा कि नगर निगम जबलपुर द्वारा जल संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में किये जा रहे प्रयास अत्यंत सराहनीय हैं

जो अन्य नगरीय निकायों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेंगे। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर नागरिकों से पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन बनाने और अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनकी देखभाल करने का आह्वान किया।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत पौधरोपण

मुख्यमंत्री ने एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत बरगद, पीपल एवं नीम के पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

इस अवसर पर शहर की वायु गुणवत्ता सुधार के लिये मियावाकी पद्धति से 11 लाख पौधों के रोपण अभियान का शुभारंभ मुख्यमंत्री ने किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव कार्यक्रम स्थल पर बड़ी संख्या में मौजूद स्कूली बच्चों से मिले और उनका अभिवादन स्वीकार किया।

ये है मियावाकी पद्धति ...

मियावाकी पद्धति जापान के प्रसिद्ध वनस्पति वैज्ञानिक डॉ. अकीरा मियावाकी द्वारा विकसित वृक्षारोपण तकनीक है। इसमें स्थानीय प्रजातियों के पौधों को सघन रूप से लगाया जाता है जिससे कम समय में घना प्राकृतिक और आत्मनिर्भर वन विकसित होता है। इस तकनीक से पौधों की वृद्धि तेज होती है। जैव विविधता को बढ़ावा मिलता है तथा कार्बन अवशोषण ,वायु शुद्धिकरण और पर्यावरण संरक्षण में उल्लेखनीय योगदान मिलता है। यही कारण है कि शहरी क्षेत्रों में हरित आवरण बढ़ाने के लिए यह पद्धति अत्यंत प्रभावी मानी जाती है।

ये रहे उपस्थित

नगर निगम द्वारा आयोजित किये गये कार्यक्रम में महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, सांसद आशीष दुबे, विधायक अशोक रोहाणी, सुशील कुमार तिवारी इंदु, डॉ अभिलाष पांडे, नीरज सिंह , संतोष वरकड़े, मध्यप्रदेश तीर्थ स्थान एवं मेला प्राधिकरण के अध्यक्ष विनोद गोंटिया, जबलपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष संदीप जैन, जिला पंचायत अध्यक्ष आशा गोंटिया, नगर निगम अध्यक्ष रिकुंज विज, भाजपा के प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन, भाजपा दिव्यांगजन प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष संदीप रजक, भाजपा के नगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर एवं भाजपा के जिला अध्यक्ष ग्रामीण राजकुमार पटेल मौजूद रहे।

वर्षा जल संचयन प्रणाली का शुभारंभ

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने डुमना नेचर पार्क में कैच द रेन अभियान के अंतर्गत वर्षा जल संचयन प्रणाली ,रेन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम का शनिवार को विधिवत शुभारंभ किया। यह प्रणाली 10 हजार वर्गफुट रूफ एरिया से प्राप्त वर्षा जल का संग्रहण कर 30 फीट गहरे रिचार्ज बोर के माध्यम से भू-जल पुनर्भरण सुनिश्चित करेगी। इस पहल का उद्देश्य वर्षा जल का स्थानीय स्तर पर संरक्षण करना तथा भू-जल स्तर में सुधार लाना है।

वाणी स्पीच एंड हियरिंग क्लिनिक का नि :शुल्क शिविर शुरू

नवभारत, जबलपुर। स्व. डॉ. कैलाश नाथ मेहरा की प्रथम पुण्यतिथि पर वाणी स्पीच एंड हियरिंग क्लिनिक प्राइवेट लिमिटेड द्वारा दो दिवसीय नि:शुल्क श्रवण क्षमता जाँच एवं परामर्श शिविर शुरू किया गया। 1 अगस्त से शुरू हुए इस शिविर के पहले ही दिन सौ से अधिक शिशुओं, बच्चों और बुजुर्गों की श्रवण क्षमता की विस्तृत जाँच की गई। इस दौरान जरूरतमंदों को उपचार और मार्गदर्शन दिया गया। इस मौके पर क्लिनिक की डायरेक्टर डॉ. सोनल मेहरा ने बताया कि कम सुनने की समस्या का समय पर पता लगाना बेहद जरूरी है, क्योंकि यह व्यक्ति के सामाजिक और मानसिक जीवन को प्रभावित करती है। डॉ. मेहरा ने आगे कहा कि यह शिविर समाज में श्रवण स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से लगाया गया है।

अत्याधुनिक उपकरणों से कान की वैज्ञानिक जांच

इस दौरान चीफ ऑडियोलॉजिस्ट विशाल मेहरा ने बताया कि शिविर के साउंड प्रूफ चैम्बर में इंटरकास्टिक्स ऐसी40ई ऑडियो

मीटर, माइको एमआई 24 इम्पिडेंस सिस्टम, एआरआईए बेरा, टिनिटस स्टेशन और रियल ईयर मेजरमेंट जैसे अत्याधुनिक उपकरणों से कान की वैज्ञानिक जाँच की गई। इन परीक्षणों के आधार पर श्रवण दोष की पहचान कर मरीजों को उचित उपचार, पुनर्वास और आधुनिक हियरिंग एड्स के संबंध में परामर्श दिया गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि कम सुनने की समस्या से पीड़ित व्यक्ति को बातचीत में कठिनाई, सामाजिक अलगाव, घबराहट और अवसाद जैसी परेशानियों से जूझना पड़ता है, लेकिन सही समय पर इलाज मिलने से व्यक्ति दोबारा सामान्य जीवन जी सकता है।

मरीजों को डिजिटल ब्लूटूथ श्रवण यंत्र का वितरण

शिविर में हितग्राहियों को आधुनिक डिजिटल रिचार्जेबल ब्लूटूथ हियरिंग एड्स की जानकारी दी गई, जो मोबाइल और टीवी से सीधे जुड़कर जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाते हैं। सेवा भावना के तहत शिविर के पहले और दूसरे दिन पांच-पांच जरूरतमंद मरीजों को यह श्रवण यंत्र नि :शुल्क दिए गए। इसके अलावा अन्य मरीजों को बहुत ही रियायती दरों पर श्रवण यंत्र और संबंधित एक्सेसरीज जैसे बैटरी व ईयरिंग टिप्स उपलब्ध कराए गए। इस आयोजन में चीफ ऑडियोलॉजिस्ट विशाल मेहरा के साथ मेधा साहू, आयुष दुबे, अनूप द्विवेदी, शिवम जोशी, सियाराम पाल और सुमन राज ने सेवाएं दीं। अंत में डॉ. सोनल मेहरा ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे शिविर आयोजित करने का संकल्प दोहराया।

▶ एक नजर में ◀

जबलपुर चैंबर ऑफ कॉमर्स शुरू करेगा स्टार्टअप्स मेंटरशिप प्रोग्राम

नवभारत, जबलपुर। जबलपुर चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने और उन्हें सही दिशा दिखाने के लिए एक बेहद अनोखा और व्यवहारिक मेंटरशिप प्रोग्राम शुरू कर रहा है जिसका मुख्य उद्देश्य नए उद्यमियों को सीधे अनुभवी और सफल उद्योगपतियों से जोड़ना है। इस अनूठी पहल के तहत जबलपुर के नए स्टार्टअप्स को एक पूरे दिन के लिए शहर के प्रतिष्ठित और स्थापित बिजनेस लीडर (मेंटर) के साथ रहने का मौका मिलेगा। इस ऑन-फील्ड लर्निंग में स्टार्टअप्स फाउंडर पूरे दिन अपने मेंटर की दिनचर्या को करीब से देखेंगे और वे यह समझ सकेंगे कि बड़े बिजनेस के फैसले कैसे लिए जाते हैं, टीम को कैसे मैनेज किया जाता है और रोजमर्रा की चुनौतियों का सामना कैसे किया जाता है। यदि आप इस मेंटरशिप प्रोग्राम का हिस्सा बनना चाहते हैं या अपने स्टार्टअप के लिए आवेदन करना चाहते हैं, तो आप जबलपुर चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के कार्यालय से सीधे संपर्क कर पंजीकरण की प्रक्रिया और तारीखों की जानकारी ले सकते हैं। जबलपुर चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष प्रेम दुबे, कमल ग्रोवर, राधेश्याम अग्रवाल, अजय अग्रवाल, अजय बख्तावर, पंकज महेश्वरी, बलदीप मैनी, मुकेश अग्रवाल (बंसाला), रजनीश त्रिवेदी, शशिकांत पांडेय, जुगल तिवारी एवं उमेश ग्रावकर ने आग्रह किया है कि ज्यादा से ज्यादा लोग इस प्रोग्राम से जुड़ने के लिए कार्यालय में संपर्क करें।

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी उत्तराधिकारी समिति की बैठक आज

नवभारत, जबलपुर। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी उत्तराधिकारी परिवार समिति संगठन की एक आवश्यक बैठक का आयोजन आज 2 अगस्त, रविवार को हवाबाग कॉलेज परिसर में सुबह 9 :45 बजे किया जाएगा, जिसमें सेनानी परिवार के सभी सदस्यों से उपस्थिति की अपील की गई है।

मुनि प्रबुद्धसागर महाराज की अगवानी में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

नवभारत, जबलपुर। गोलबाजार स्थित श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर बोर्डिंग में मुनि प्रबुद्धसागर महाराज के मंगल प्रवेश पर श्रद्धालुओं द्वारा भव्य अगवानी की गई। सुबह छोटा फुहारा, मिलौनीगंज, कमानिया गेट, बड़ा फुहारा, गंजीपुरा और मालवीय चौक से होती हुई मुनि की शोभायात्रा डी. एन. जैन बोर्डिंग मंदिर पहुँची। वहीं कमानिया गेट स्थित लाईगंज स्वर्ण मंदिर में विराजमान आर्यिका संघ ने मुनि की वंदना की। इस दौरान मार्ग में जगह-जगह श्रावक-श्राविकाओं ने मुनि की आरती उतारी और मंदिर परिसर पहुँचने पर अध्यक्ष सत्येन्द्र जैन, सचिव संजय जैन (आर. व्ही), बोर्डिंग हाउस सोसायटी के ट्रस्टी प्रभात जैन, आनंद सिंघई, अमित जैन, समीर सिंघई, पंकज

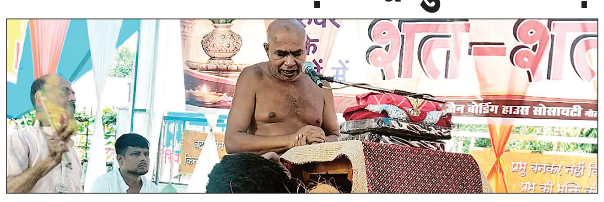

सिंघई, प्रवीण जैन, अनिल जैन, डॉ. सत्येन्द्र जैन, संजय जैन, अनिल नायक, सुबोध कामरेड, ज्ञानचंद मारिल्ल, राजकुमार चौधरी, शुभम जैन, मयंक जैन, सुरेन्द्र पहलवान एवं सतीश वर्धमान सहित अनेक श्रद्धालुओं ने अगवानी की। इसके बाद आयोजित धर्मसभा को मुनि ने संबोधित किया, जिसका संचालन अमित पड़रिया ने किया, जबकि प्रक्षालन का सौभाग्य राय सेठ चन्द्र कुमार को प्राप्त हुआ और मुनिश्री के गृहस्थ जीवन के परिजनों ने उन्हें श्रीफल भेंट किया। आगामी कार्यक्रमों के तहत आज रविवार 2 अगस्त को सुबह 8 बजे बा. ब. रविन्द्र भैया के निर्देशन में डी. एन. जैन बोर्डिंग मंदिर प्रांगण में चातुर्मास मंगल कलश की स्थापना होगी, वहीं 4 अगस्त को दोपहर 12 बजे आचार्य विद्यासागर सभा भवन में गुरु-समर्पण चातुर्मास समिति 2026 के संयोजन में आर्यिका गुरुमति माता एवं आर्यिका दृढमति माता के वर्षायोग के लिए मंगल कलश स्थापना समारोह संपन्न होगा।

तिलक भूमि तलैया स्वतंत्रता आंदोलन का महत्वपूर्ण केंद्र रही : नामदेव

नवभारत, जबलपुर। वर्ष 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान शहर की तिलक भूमि, तलैया स्वतंत्रता आंदोलन का महत्वपूर्ण केंद्र रही, जहाँ अनेक नौजवानों ने आंदोलन में सक्रिय भागीदारी निभाई। तिलक का अमर उद्घोष 'स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है और मैं इसे लेकर रहूँगा' पूरे देश में स्वतंत्रता का संदेश बना। ये बातें कांग्रेस स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवार संगठन प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष मनोज नामदेव ने कहीं। मौका था लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक की पुण्यतिथि पर शहर जिला स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवार संगठन प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित श्रद्धांजलि सभा का। जवाहरगंज वार्ड स्थित तिलक भूमि, तलैया में 1

अगस्त को हर माह की पहली तारीख के आयोजन के अंतर्गत जन-गण-मन एवं वंदे मातरम् के सामूहिक गायन के साथ लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक की पुण्यतिथि एवं कमला नेहरू की जयंती पर यह सभा हुई। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मध्य प्रदेश स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवार संगठन प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष अजय नारायण सितलानी के निर्देशन में आयोजित इस श्रृंखला के तहत शहर जिला अध्यक्ष राजेंद्र रज्जू सराफ एवं जिला ग्रामीण अध्यक्ष नारायण सिंह शर्मा के संयोजन में शनिवार सुबह 10 बजे स्मारक स्थल पर संगोष्ठी हुई। कार्यक्रम में शहर जिला कांग्रेस सेवादल के अध्यक्ष सतीश तिवारी, गांधी चौपाल के प्रदेश संयोजक एड. प्रशांत मिश्रा, कांग्रेस नेता अरुण पावर एवं मुन्ना सेन विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

राष्ट्रगान और राष्ट्रीय गीत के साथ हुआ समापन

कार्यक्रम का समापन जन-गण-मन एवं वंदे मातरम् के सामूहिक गायन के साथ हुआ। अंत में पवन सोनी ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर एड. प्रकाशचंद गौलछा, जिला प्रभारी केशव प्रसाद चौरसिया, रमेश यादव, वी. हनुमत राव, आशीष व्यास, चुन्नीलाल नीखरा, विष्णु विनोदिया, सतेन्द्र जैन, अजीत जैन एवं अंकित नीखरा सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक एवं कमला नेहरू के चित्रों पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का हुआ जगह-जगह स्वागत

▶ पदोन्नति मिलने पर अधिकारी-कर्मचारियों ने जताया आभार

नवभारत,जबलपुर। प्रदेश सरकार द्वारा जनहित में लिये जा रहे फैसलों तथा विकास कार्यों की दी जा रही सौगातों के लिये जबलपुर प्रवास पर आये मुख्यमंत्री डॉ यादव का सामाजिक संगठनों ने जगह.जगह गर्मजोशी से स्वागत किया। वहीं लम्बे समय बाद पदोन्नति मिलने से अधिकारियों.कर्मचारियों ने भी मुख्यमंत्री डॉ यादव पर पुष्प वर्षा कर आभार का जताया।

दादा ईश्वरदास रोहाणी वार्ड

सिविल लाईन में वर्षों पुराने धोबी घाट का उन्नयन कर आधुनिक लॉन्ड्री क्षेत्र का स्वरूप देने पर संयुक्त रजक समाज ने सरदार होशियार सिंह गेट के समीप मंच लगाकर मुख्यमंत्री डॉ यादव का स्वागत किया। वहीं गुरंदी में अत्याधुनिक और सर्वसुविधायुक्त मत्स्य विक्रय केंद्र ;मछली मार्केट की सौगात देने पर मछुआ समाज और मछली व्यवसाईयों ने पोलिटेक्निक कॉलेज के समीप मुख्यमंत्री डॉ यादव का स्वागत किया। करीब ढाई करोड़ रूपये की लागत से नगर निगम द्वारा बनाये गये इस अत्याधुनिक मत्स्य विक्रय केंद्र का आज मुख्यमंत्री डॉ यादव ने गीता भवन में आयोजित कार्यक्रम में लोकार्पण किया।

मुख्यमंत्री डॉ यादव के स्वागत का सिलसिला यहीं नहीं रुका। विद्युत कम्पनियों के अधिकारियों.कर्मचारियों ने एंपायर तिराहे के पास तथा राजस्व कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों और सदस्यों ने पर्यटन तिराहे के समीप मुख्यमंत्री डॉ यादव का स्वागत किया और लम्बे अरसे बाद पदोन्नति मिलने पर आभार जताया।

मुख्यमंत्री ने दिया संग्रहालय के लिए संचालन समिति के गठन का आश्वासन

नवभारत, जबलपुर। गढ़ा गोंडवाना संरक्षण संघ के प्रतिनिधि मंडल ने मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के जबलपुर आगमन पर उनका आत्मीय स्वागत किया। इस दौरान आदिवासी परंपरा के अनुसार गमछा और स्मृति चिन्ह भेंट करने के बाद संघ के संभागीय अध्यक्ष किशोरी लाल भलावी और राजेंद्र चौधरी ने मुख्यमंत्री को एक ज्ञापन सौंपकर करोड़ों की लागत से निर्मित अमर शहीद राजा शंकर शाह कुंवर रघुनाथ शाह स्वतंत्रता संग्राम संग्रहालय के सुचारू संचालन के लिए एक विशेष संचालन समिति गठित करने की मांग की गई है। यह मांग इसलिए की गई है क्योंकि गढ़ा गोंडवाना संरक्षण संघ द्वारा पूर्व में केंद्रीय गृहमंत्री, संस्कृति मंत्रालय

और राज्य सरकार को कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए गए थे। संघ का आरोप है कि निर्माण एजेंसी इंटेक कंपनी ने वहां विधिवत कार्य नहीं किया है। जिस स्थान पर बावनगढ़ का कीर्ति स्तंभ बनना था, वहां बिजली के पोल खड़े कर दिए गए हैं और उसके आगे शौचालय का निर्माण करा दिया गया है। इसके अलावा मुख्य प्रवेश द्वार को भी गोंडवाना काल जैसा आकर्षक स्वरूप नहीं दिया गया है, जैसा प्रस्ताव संस्कृति मंत्रालय को भेजा गया था। इन विसंगतियों पर संज्ञान लेते हुए मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधि मंडल को आश्वस्त किया कि अतिशीघ्र एक योग्य संचालन समिति का गठन किया जाएगा। इस दौरान अजय झारिया, जगदीश नन्हेट और राजेंद्र कापसे मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

सेठ मधुसूदन दास मालपानी की स्मृति में श्रुति थेरेपी सेंटर लोकार्पित

नवभारत, जबलपुर। सेठ मधुसूदन दास मालपानी की स्मृति में शहपुरा स्थित ग्राम नटवारा में नवनिर्मित श्रुति थेरेपी सेंटर एवं डे केयर का लोकार्पण मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद विवेक तनखा द्वारा किया गया। बच्चों को संकट के समय त्वरित सहायता देने और उनकी बेहतर देखभाल सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शुरू हुए इस अत्याधुनिक डे केयर के जरिए मालपानी परिवार के कृष्ण मालपाणी, अर्पिता मालपाणी, श्रद्धा मालपाणी एवं कमला देवी मालपाणी विगत कई वर्षों से स्थानीय स्तर पर शिक्षा और

विकास को अत्याधुनिक तरीके से उन्नत कर रहे हैं। इसी कड़ी में ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए सिलाई मशीन, इंडक्शन कुकर, बच्चों को शूज, एलईडी बल्ब एवं गर्भवती महिलाओं को पौष्टिक आहार की किट वितरित की गई। पूर्व विधायक विनय सक्सेना एवं संजय यादव सहित भारी संख्या में मौजूद नागरिकों और ग्रामीणों की उपस्थिति वाले इस कार्यक्रम में अतिथियों का आत्मीय स्वागत एस.एम.जे. ट्रस्ट की ट्रस्टी श्रद्धा मालपाणी ने किया, जबकि मंच का सफल संचालन प्रवीण सिंह द्वारा किया गया।

गांव-गांव गूंज रही प्राकृतिक खेती की अलख, मोर्चे पर 80 कृषि सखियां

नवभारत,जबलपुर। जिले में प्राकृतिक खेती को जन-आंदोलन बनाने की दिशा में 80 कृषि सखियां गांव-गांव पहुंचकर किसानों को नई राह दिखा रही हैं। कृषि विभाग द्वारा बनाए गए 40 क्लस्टरों में कार्यरत ये कृषि सखियां किसानों को प्राकृतिक खेती की तकनीकों का प्रशिक्षण देने के साथ खेतों में व्यावहारिक प्रदर्शन भी कर रही हैं।

मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन जिला पंचायत जबलपुर की प्रोजेक्ट मैनेजर अंजुला झा ने जानकारी देते हुए

बताया की कृषि सखियों ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के तहत आयोजित ऑनलाइन परीक्षा सफलतापूर्वक उत्तीर्ण की है। इसके बाद कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) से उन्हें प्राकृतिक खेती का विशेष प्रशिक्षण भी दिया गया, जिससे वे किसानों को वैज्ञानिक एवं व्यवहारिक तरीके से मार्गदर्शन दे रही हैं। जिला प्रबंधक डी पी तिवारी के अनुसार कृषि सखियां किसानों को प्राकृतिक खेती की विभिन्न विधियों की जानकारी देकर रासायनिक खेती पर निर्भरता कम करने के लिए प्रेरित कर रही हैं,इसके साथ ही उत्पादन लागत घटाने, मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने और पर्यावरण संरक्षण के प्रति भी जागरूक बना रही हैं। कृषि विभाग का मानना है की प्रशिक्षित कृषि सखियों के माध्यम से प्राकृतिक खेती का विस्तार तेजी से हो रहा है। इससे किसानों को कम लागत में टिकाऊ खेती अपनाने के बेहतर अवसर मिल रहे हैं वहीं गांवों में प्राकृतिक खेती के प्रति सकारात्मक माहौल तैयार हो रहा है।

फ्रेंडशिप डे स्पेशल ▶ फ्रेंडशिप डे के अवसर पर शहर के कॉलेजों, कैफे, पार्कों और सार्वजनिक स्थानों पर युवाओं में खासा उत्साह

सोशल मीडिया के दौर में भी दोस्ती का रिश्ता बरकरार

▶ फ्रेंडशिप डे आज

▶ युवाओं में दोस्ती के दिवस के प्रति खासा उत्साह

नवभारत , जबलपुर । बदलते दौर में जहां रिश्ते तेजी से डिजिटल हो रहे हैं, वहीं दोस्ती का रिश्ता आज भी लोगों के जीवन में सबसे खास स्थान रखता है। फ्रेंडशिप डे के अवसर पर शहर के कॉलेजों, कैफे, पार्कों और सार्वजनिक स्थानों पर युवाओं में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। दोस्त एक-दूसरे को फ्रेंडशिप बैंड, गिफ्ट और शुभकामनाएं देकर इस दिन को यादगार बनाने की तैयारी कर रहे हैं। शहरभर फ्रेंडशिप डे इस वर्ष 2

अगस्त (रविवार) को मनाया जाएगा, जो हर साल अगस्त के पहले रविवार को मनाने की परंपरा का हिस्सा है।

कैफे और सार्वजनिक स्थानों पर रहेगी चहल-पहल

फ्रेंडशिप डे के अवसर पर शहर के कैफे, फूड कोर्ट, पार्क और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर दोस्तों के साथ समय बिताने की योजना बना रहे युवाओं की संख्या बढ़ी है। कई कैफे और रेस्टोरेंट्स ने भी यह दिवस को ध्यान में रखते हुए विशेष ऑफर और कॉम्बो पैकेज तैयार किए हैं। छुट्टी होने के कारण रविवार को अच्छी खासी भीड़ रहने की उम्मीद है।

बाजार से लेकर सोशल मीडिया तक धूम

एक ओर बाजारों में फ्रेंडशिप बैंड और गिफ्ट्स की बिक्री बढ़ रही है, वहीं दूसरी ओर सोशल मीडिया पर हैशटैग फ्रेंडशिप डे से जुड़े पोस्ट, रील्स और पुरानी यादों को साझा करने का सिलसिला भी तेज हो गया है। युवा अपने दोस्तों के साथ तस्वीरें और वीडियो साझा कर इस दिन को यादगार बना रहे हैं।

इनका कहना है

पढ़ाई से लेकर हर छोटी-बड़ी परेशानी में दोस्त हमेशा साथ खड़े रहते हैं। फ्रेंडशिप डे हमारे लिए सिर्फ एक सेलिब्रेशन नहीं, बल्कि उन दोस्तों का शुक्रिया अदा करने का मौका है, जिन्होंने हर परिस्थिति में हमारा साथ दिया है। इस दिन हम सभी दोस्त साथ समय बिताते हैं और पुरानी यादों को फिर से जीते हैं।

आर्यन रजक , कॉलेज स्टूडेंट

मैं और मेरा दोस्त आर्यन रजक पिछले 10-15 साल से साथ हैं। हमारी दोस्ती बचपन से शुरू हुई और आज भी वैसी ही मजबूत है। स्कूल से लेकर कॉलेज तक हमने साथ पढ़ाई की, कई अच्छी यादें बनाई और हर मुश्किल समय में एक-दूसरे का साथ दिया। हमारे लिए फ्रेंडशिप डे सिर्फ एक दिन का जश्न नहीं, बल्कि इतने वर्षों से निभ रही इस दोस्ती का सम्मान करने का अवसर है।

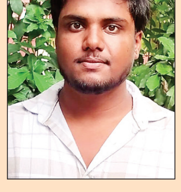

रवि राव , कॉलेज स्टूडेंट

सेवानिवृत्त कर्मचारियों का सम्मान, समस्याओं के शीघ्र निराकरण का आश्वासन

नवभारत, जबलपुर । रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर में विश्वविद्यालय सेवा से सेवानिवृत्त हुए अधीक्षक डॉ. शकील अंसारी एवं उच्च वर्ग लिपिक सुभाष चंद्र सोंधिया के सम्मान में अनुसूचित जाति, जनजाति एवं पिछड़ा वर्ग कर्मचारी संघ द्वारा विश्वविद्यालय के काउंसिल हॉल में भावभीना विदाई एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। गौरतलब है की सेवाकाल के दौरान दोनों सेवानिवृत्त कर्मियों ने अधिकारी कर्मचारी संघ के सक्रिय कार्यकर्ता के रूप में भूमिका निभाई है।

समारोह में बतौर मुख्य अतिथि मौजूद रहे विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. रविशंकर सोनवाल तथा कर्मचारी संघ के अध्यक्ष अजय झारिया ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों को शॉल, श्रीफल एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर

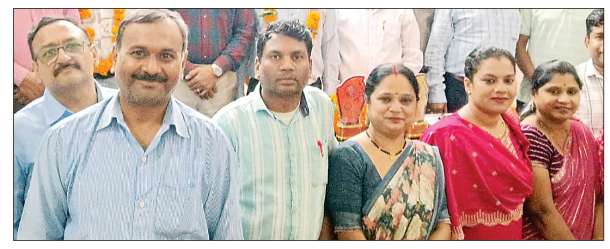

सम्मानित किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने दोनों कर्मचारियों की दीर्घकालीन सेवाओं, कार्यनिष्ठा और संगठन के प्रति उनके योगदान की सराहना करते हुए उनके स्वस्थ एवं सुखद भविष्य की कामना की।

अपने संबोधन में कर्मचारी संघ के अध्यक्ष अजय झारिया ने कहा की सेवानिवृत्त कर्मचारियों की लंबित समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण किया जाना चाहिए। इस पर कुलसचिव डॉ. रविशंकर सोनवाल ने आश्वस्त किया की सेवानिवृत्त कर्मचारियों से जुड़े सभी प्रकरणों का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाएगा।

समारोह में अनिल धनगर, हीरालाल भारतीय, तीरथ लाल बर्मन, समय लाल साकेत, नीतू धुर्वे, कल्पना पासी, कमलेश्वरी ठाकुर, सीमा वासनिक, रविशंकर अहिरवार, चक्रेश अहिरवार, राजेश मरावी, महेंद्र रैना, किशोर मेहरोलिया, राज बहोर, सोमनाथ रैदास, बृजेश गुमास्ता, भीमसेन रैदास, संजीव अहिरवार, अशोक भड़के, भंवर सिंह करचाम, राकेश ललपुरहा, रमेश टेकारिया सहित बड़ी संख्या में कर्मचारी उपस्थित रहे।